216hi09

9

कपड़ों की देखरेख तथा उनका रखरखाव

विद्यार्थियों का एक समूह भोजनावकाश के दौरान चर्चा कर रहा था। चार्ल्स ने जोसफ से उसकी सबसे पसंदीदा चमचमाती सफेद कमीज की तारीफ की जो उन्होंने लगभग दो वर्ष पहले एक साथ खरीदी थी। उसी वक्त पूर्णिमा ने कहा कि उसे अपने रेशमी ब्लाउज के लिए बहुत अफसोस हो रहा है जो एक ही धुलाई में खराब हो गया है। अकबर ने भी बताया कि वह भी अपने मंहगे कार्डिगन को एक धुलाई के बाद दुबारा नहीं पहन पाया था। तब कबीर ने उन्हें बताया कि उसने अपने हाऊस कीपिंग के कोर्स में विभिन्न प्रकार के कपड़ों की देखरेख का ज्ञान प्राप्त किया है। उसने बताया कि हमें सभी प्रकार के कपड़ों को एक ही डिटर्जेंट से नहीं धोना चाहिए। उसने आगे यह भी बताया कि विभिन्न प्रकार के कपड़ों को धोने तथा उनके रखरखाव का तरीका भी भिन्न-भिन्न होता है। उसने बताया कि थोड़ा सा ध्यान रखकर हम अपने कपड़ों को नए जैसा रख सकते हैं।

क्या आप जानते हैं कि कपड़े पहनने वाले के व्यक्तित्व के बारे में बहुत कुछ कहते हैं? कपड़ों का ध्यानपूर्वक चयन करना अत्यंत महत्वपूर्ण होता है। किन्तु इससे भी अधिक महत्वपूर्ण है इनकी धुलाई तथा इनका रखरखाव ताकि कपड़ों की सुन्दरता को बनाए रखा जा सके। आइए, सीखें कि कपड़ों की देखरेख किस प्रकार की जाती है ताकि बाद में हमें पछताना न पड़े।

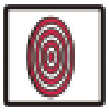

उद्देश्य

इस पाठ के अध्ययन के पश्चात आप:

- अपने कपड़ों को रगड़ने, उन्हें हवा लगाने तथा उन्हें धोने व साफ करने के अर्थ तथा आवश्यकता को जान पाएँगे;
- उपयुक्त अभिकर्मक (reagents) तथा तकनीकों का प्रयोग करके दाग-धब्बों को हटा पाएँगे;

टिप्पणी

- धोने से पहले अपने कपड़ों की देखरेख के लेबलों तथा उनके रंगों की सुरक्षा के उपायों को जान पाएँगे।
- धोने की उपयुक्त पद्धतियों तथा सामग्री का प्रयोग करते हुए विभिन्न प्रकार के कपड़ों को धो पाएँगे।
- धुले कपड़ों को व्यवस्थित्त रूप से सँभालकर रखने की विधि को जान पाएँगे।

9.1 कपड़ों की देखरेख तथा अनुरक्षण की प्रक्रिया में झाड़ना, ब्रशिंग, हवा लगाना तथा कपड़े धोने की विधि की भूमिका

हम सभी जानते हैं कि जब हम कपड़े पहनते हैं तो वे गंदे भी होते हैं और उन्हें धोने की आवश्यकता होती है। गंदगी, दाग-धब्बों, धूल, ग्रीस तथा पसीने के कारण कपड़ों को धोना पड़ता है। यदि ये कपड़ों में लंबे समय के लिए बने रहते हैं तो कपड़ों को निम्नलिखित नुकसान हो सकते हैं:

- दाग-धब्बों तथा धूल आदि जीवाणु, फफूँद या अन्य हानिकारक जीवाणुओं के विकास के माध्यम बन जाते हैं जो त्वचा रोगों को जन्म देते हैं तथा व्यक्तिगत साफसफाई में समस्या उत्पन्न करते हैं।
- मैले कपड़े अपनी ताजगी खो देते हैं तथा उनसे दुर्गंध आने लगती है।
- कपड़ों में धूल तथा दाग-धब्बों को लंबे समय तक वैसे ही छोड़ने से कपड़े की मजबूती कम हो जाती है।
- दाग लगे तथा गंदे कपड़े पहनना किसी को भी अच्छा नहीं लगता है।

कपड़ों को पहनने के बाद हर बार धोने की आवश्यकता नहीं होती है। यह इस बात पर निर्भर करता है कि कपड़े किस मौसम में पहने जा रहे हैं तथा उनमें कितना पसीना समाया हुआ है। जब मौसम अच्छा होता है और आपको पसीना नहीं आ रहा हो तो आप अपने कपड़ों को बिना धोए दोबारा प्रयोग कर सकते हैं। किन्तु पहने हुए कपड़ों को पुनः पहनने के लिए रखे जाने से पूर्व अपने कपड़ों की देखरेख के लिए निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखना चाहिए।

9.1.1 कपड़ों को झाड़ना, ब्रश करना तथा हवा में रखना

``झाड़ने `` से कपड़ों पर लगी धूल निकल जाती है। अपनी ड्रैस दोनों हाथों से पकड़ कर उसे अच्छी तरह से झाड़ लें ।

क्या आपने मखमल, कॉरड्राई, शनील, कंबल तथा कालीन जैसी वस्त्र देखे हैं? ये वस्त्र मोटे होते हैं तथा इनकी सतह पर रेशे होते हैं जिस पर धूल आसानी से जम जाती है। इसे हटाने के लिए एक नरम कपड़े से उस पर सुगमता से ब्रश करें ।ब्रश रेशों की दिशा (रोएंदार सतह) में करें। इस प्रकार

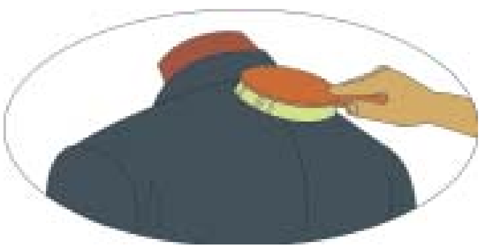

चित्र 9.1 ब्रशिंग

स्पष्ट हो जाता है कि ब्रशिंग का प्रयोग रेशेदार कपड़ों पर लगी ऊपरी धूल को हटाने के लिए किया जाता है। सूट तथा कोटों को भी ब्रश किया जाता है।

``हवा लगाना(Airing)`` का प्रयोग कपड़ों को शुष्क रखने और उनसे आने वाली दुर्गंध को दूर करने के लिए किया जाता है। इस प्रक्रिया को मुख्य रूप से बाहर धूप में या हवादार कमरे के भीतर किया जाता है।

9.1.2 लाँडरिंग (laundering)/धुलाई

लांडरिंग से तात्पर्य केवल कपड़ों की धुलाई नहीं है। इस प्रक्रिया में निम्नलिखित तीन चरण शामिल हैं:

i. कपड़ों से धूल, पसीना व दुर्गंध आदि को निकालने के लिए धोना या ड्राईक्लीन कराना जैसे आपकी स्कूल की ड्रैस को पानी से धोया जाता है जबकि ऊनी कोट तथा जैकेट आदि की सफाई ड्राईक्लीन द्वारा की जाती है।

ii. कपड़ों को चमक देने के लिए कपड़ों को कड़क करने वाले पदार्थों जैसे स्टार्च तथा गोंद, या ब्लीचिंग एजेंट का प्रयोग किया जाता है। उन्हें सुखा कर उन पर इस्त्री या प्रैसिंग की जाती है और तत्पश्चात उनकी तह लगाकर रख दिया जाता है। सूती दुपट्टे और साड़ियों पर स्टार्च लगाया जाता है।

iii. कपड़ों को अल्पकाल या दीर्घकाल के लिए सम्भाल कर रखना। उदाहरण के लिए जब सर्दियों का मौसम आता है तो आप गर्मियों के कपड़ों को संभाल कर रख देते हैं और ऊनी शालों, स्वैटरों तथा कोटों आदि को बाहर निकाल लेते हैं।

ध्यान रखें कि विभिन्न प्रकार के कपड़ों की सफाई के लिए धुलाई तथा ड्राईक्लिनिंग दो भिन्न प्रक्रियाएँ हैं।

धुलाई	ड्राई-क्लीनिंग
कपड़े से धूल आदि को हटाने के लिए साबुन/डिटर्जेंट तथा पानी का प्रयोग किया जाता है।	कपड़े से धूल आदि को हटाने के लिए ग्रीस अवशोषक तथा विलायक का प्रयोग किया जाता है।
पक्के रंग वाले कपड़ों को आसानी से धोया जा सकता है।	चमड़े तथा फर वाले कपड़े, चुनिंदा रेशम तथा ऊनी कपड़े, ज़री वाले तथा महंगे कपड़ों को ड्राई-क्लीन किया जाता है।

टिप्पणी

पाठगत प्रश्न 9.1

1. मीना के पास गंदे कपड़ों से भरी एक टोकरी है। इसमें उसका रेशम का ब्लाउज, ज़री वाली साड़ी, सूती कमीज़, सूती पैजामा तथा ऊनी शॉल है। आप इनमें से किन कपड़ों के लिए घर में धुलाई के लिए तथा किन कपड़ों को ड्राईक्लीनिंग की सलाह देंगे और क्यों?
2. गर्मियों का मौसम शुरु हो गया है; आपको सर्दियों के कपड़े संभाल कर रखने हैं। आप अपने मित्र को क्या करने की सलाह देंगे ताकि उसके कपड़े साफ सुथरे रहें और अगले मौसम में सीधे प्रयोग किए जा सकें?

9.2 कपड़ों को घर में ही लांडरी के लिए तैयार करना

जब कभी आप घर में ही कपड़ों को धोने के लिए तैयार होते हैं तो ध्यान रखें कि आपको इसके लिए कुछ तैयारी करनी होती है। ये तैयारियां क्या हैं? ये तैयारियां क्यों आवश्यक हैं? यह काम हमें और किस तरह करना होगा?

9.2.1 कपड़ों को एकत्र करना तथा आपूर्तियाँ

यदि आपके पास गंदे कपड़ों को रखने तथा धुलाई के लिए जल आपूर्ति की व्यवस्था विद्यमान है तो आपके लिए यह चरण पहले ही पूरा हो जाता है। यदि आपके पास यह व्यवस्था नहीं है तो सभी गंदे कपड़ों को एकत्र कर लें , उन्हें एक स्थान पर धोने के लिए जल आपूर्ति की व्यवस्था करें। इससे कपड़े धोते समय आपकी ऊर्जा बचेगी। क्या आप बता सकते हैं कि ऐसा क्यों करते हैं?

9.2.2 फटे-उधड़े कपड़ों को ठीक करें

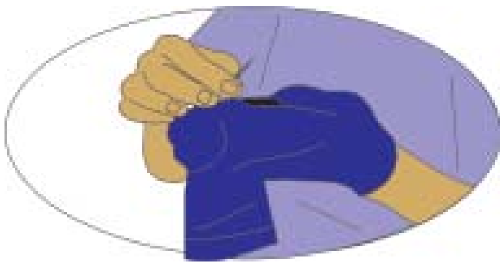

चित्र 9.2 वस्त्रों की मरम्मत करना

पुरानी कहावत है a stitch in time savs nine इस मामले में सही प्रतीत होती है। यदि कोई वस्त्र उधड़ा या फटा हुआ है तो उसकी धुलाई करते समय उस फटे हुए स्थान से धागा निकल सकता है और वह और अधिक फट सकता है। ऐसे कपड़ों को सही रूप से सिलना या ठीक कर पाना अत्यंत कठिन या असंभव हो जाता है। इसलिए यह सलाह दी जाती है कि फटे हुए कपड़ों की धोने से पूर्व उनकी मरम्मत कर लेनी चाहिए।

9.2.3 वर्गीकरण (sorting) करना

वर्गीकरण का अर्थ है कि वस्त्रों को (i) कपड़े के प्रकार (ii) रंग (iii) आकार तथा भार (iv) धूल

की मात्रा (v) वस्त्र की उपयोगिता (vi) भिगाने की अवधि (vii) अपेक्षित डिटर्जेंट तथा ब्लीच की मात्रा, जो कि भिन्न भिन्न वस्त्रों के लिए भिन्न भिन्न होती है, के आधार पर अलग- अलग करना।

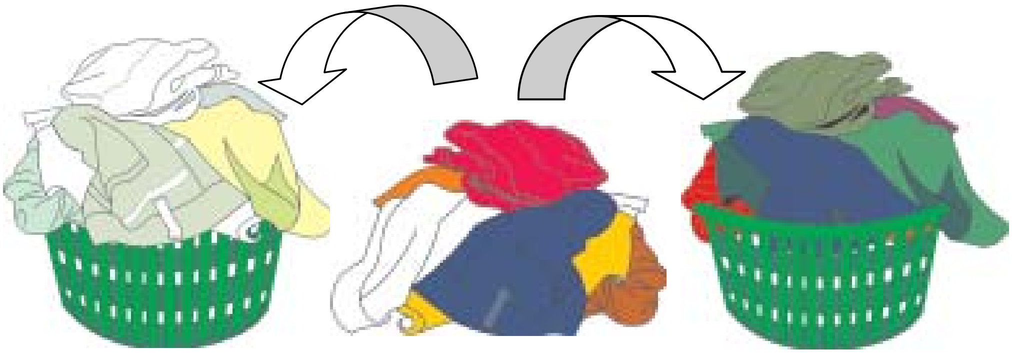

चित्र 9.3 वर्गीकरण (Sorting)

यदि आप वस्त्रों को वर्गीकृत नहीं करेंगे तो हो सकता है कि सफेद कपड़ों में दूसरे रंगीन कपड़ों से निकले रंग के धब्बे लग जाएँ। अच्छी सफाई को बनाए रखने के लिए झाड़न, रसोई के तौलिए, बर्तन साफ करने के कपड़े, अधोवस्त्रों जुराबों को अलग से धोना चाहिए।

9.2.4 वस्त्रों पर लगे लेबलों को पढ़े

सामान्यतः सभी वस्त्रों तथा वस्त्र उत्पादों में लेबल लगे होते हैं उपलब्ध कराते हैं, उदाहरण के लिए उत्पाद के घटक, उसको आदि। ये अनुदेश कपड़े के सिरे के आरंभ तथा अंत में या ध्यानपूर्वक पढ़ने से आप अपने वस्त्रों का बेहतर रखरखाव

कपड़ों पर लगे हुए तथा छपे हुए कुछ लेबलों के नमूने नी

चित्र. 9.4 सिलेसिलाए कपड़ों पर लटकने वाले तथा सिले हुए टैग/धज्जी

गतिविधि 9.4

वस्त्रों पर लगे 3-4 लेबलों को एकत्र करके उनका अध्ययन करें तथा निम्नलिखित तालिका को भरें:

वस्तु जिन पर लेबल लगे हैं	*लेबल में उपलब्ध सूचना*	*अर्थ*
कार्डिगन	www.3sindustries.com MADE IN INDIA 80% ACRYLIC 20% WOOL COLD WASH WASH DARK COLORS SEPARATELY RESHAPE DRY FLAT DO NOT BLEACH DO NOTWRING	निम्नलिखित सूचना -वस्त्र के घटक -धोने व सुखाने के अनुदेश

9.3 धब्बों की जांच तथा उन्हें साफ करना

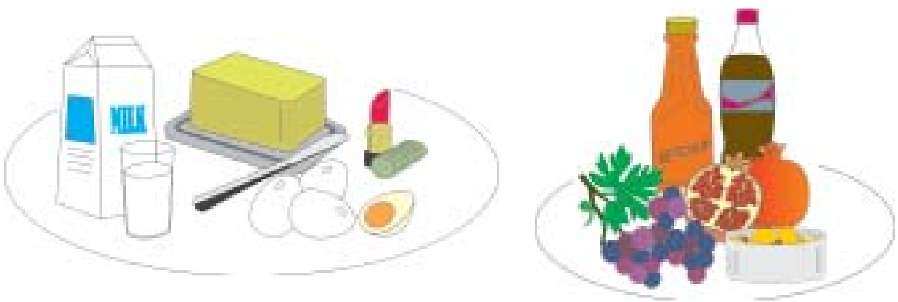

चित्र. 9.5 कुछ सामान्य दाग

स्याही, लिपिस्टिक, नेलपालिश, ग्रीस, पेंट, चाय और कॉफी आदि के दागों ने कभी न कभी आपके कपड़ों को अवश्य ही गंदा किया होगा। **धब्बा** अन्य तत्वों के सम्पर्क में आने के कारण कपड़े पर लगने वाले अवांछित निशान है। सामान्यतः एक दाग को निकालने के लिए विशेष उपचार की आवश्यकता होती है। यदि कभी अचानक आपके कपड़ों पर चाय गिर जाए और आप तुरन्त उसे पानी से साफ कर लें तो आप देखेंगे कि कपड़े से चाय का दाग तुरन्त निकल जाता है। पुराने दागों को निकालने में अधिक समय तथा अधिक प्रयासों की आवश्यकता पड़ती है और इसके परिणाम भी खराब होते हैं। इसलिए दागों से छुटकारा पाने का सबसे बेहतर तरीका है कि उन्हें यथाशीघ्र साफ कर लें। इन्हें कपड़े में अधिक गहराई तक प्रवेश न करने दें या सूखने न दें।

ध्यान रखें कि दागों को कपड़ा धोने से पहले साफ किया जाना चाहिए क्योंकि साबुन या डिटर्जेंट के रसायनों के प्रयोग से, गर्म पानी या इस्त्री के कारण ये दाग स्थायी (पक्के) हो जाते हैं।

विभिन्न प्रकार के धब्बों के लिए कपड़े के प्रकार के आधार पर दाग हटाने की विशिष्ट तकनीकों या पदार्थों की आवश्यकता पड़ती है। गलत पदार्थ के प्रयोग से कपड़ा खराब हो सकता है या उसका रंग निकल सकता है। इसलिए सदैव दाग को पहचानने का प्रयास करें और उसे साफ करने के लिए उपयुक्त तकनीकों तथा दाग हटाने वाले पदार्थ का प्रयोग करें।

अधिकतर दागों को उसके रंग, गंध तथा स्पर्श से पहचाना जा सकता है। आइए, इनके बारे में और अधिक जानें।

(क) रंग : प्रत्येक दाग का एक विशिष्ट रंग होता है। उदाहरण के लिए तरी/अचार का दाग पीले, कॉफी/चाय का दाग भूरे, घास का दाग हरे रंग का होता है।

(ख) गंध : अधिकतर दागों की विशेष गंध होती है। अंडे या पेंट या जूते की पॉलिश की गंध को याद करने की कोशिश करें। कपड़े पर इनके दाग की गंध भी उसी के समान होती है।

(ग) स्पर्श : दाग कपड़े के स्पर्श में भी परिवर्तन कर देते हैं और इन्हें स्पर्श के आधार पर भी पहचाना जा सकता है। आपने देखा होगा कि पेंट या चीनी का निशान कपड़े को कठोर व खुरदुरा बना देता है जबकि लिपिस्टिक या जूते की पॉलिश का स्पर्श कपड़े पर चिकनाई वाला होता है।

गतिविधि 9.2

एक सफेद रंग का पुराना सूती कपड़ा लें और उसे 4 (5X5 से.मी.) टुकड़ों में काट लें। प्रत्येक टुकड़े पर भिन्न प्रकार का दाग लगाएँ और उसे सूखने दें। अब प्रत्येक दाग के रंग, स्पर्श तथा गंध का अवलोकन करें। दाग लगे प्रत्येक टुकड़े को एक बड़े कागज पर चिपकाएँ और इसका वर्णन करें।

पाठगत प्रश्न 9.2

1. बताएँ निम्नलिखित वाक्य सही है या गलत और अपने उत्तर का औचित्य भी प्रस्तुत करें:-

विवरण	*सही/गलत*	*औचित्य*
(क) गंदे कपड़े व्यक्तिगत स्वच्छता के लिए हानिकारक होते हैं।		
(ख) कपड़ों की ``लांडरिंग`` और "धुलाई" समान है।		
(ग) कपड़ों को हवा लगाना तब उपयोगी होता है जब उन्हें तत्काल धोना नहीं होता है।		
(घ) कपड़े को धोने से पूर्व दागों को साफ करना चाहिए।		

9.3.1 दागों का वर्गीकरण

दागों को उनके मूल स्रोत के आधार पर समूहबद्ध किया जाता है जैसे चाय और कॉफी तथा तेलों को वनस्पति तेल या घी को उनके मूल स्रोत के आधार पर। जब ये दाग हटाए जाते हैं तो उन्हें हटाने के लिए हम उन्हीं साधनों तथा पद्धति का प्रयोग करते हैं। आइए हम सभी दागों को उनके मूल रूप के आधार पर वर्गीकृत करें।

दागों की श्रेणी	**दाग**
1. वनस्पति दाग	चाय, कॉफी, फल
2. चिकने दाग	मक्खन, घी, तेल, तरी, जूता पॉलिश, टार, तेल पेंट
3. पशु दाग	रक्त, दूध, अंडा
4. खनिज दाग	जंग
5. विविध दाग	रंजक, स्याही, घास, पसीना

9.3.2 दाग हटाने की पद्धतियाँ

दाग हटाने की दो तकनीक हैं: (i) स्पांजिंग (सोखना) तथा (ii) डिपिंग (डुबो कर रखना)। आइए सीखें कि इन दो पद्धतियों का प्रयोग करके दाग किस प्रकार साफ किए जाते हैं।

स्पांजिंग/सोखना

अवशोषक कागज या कपड़े को दाग के नीचे इस प्रकार रखें ताकि दाग का दायां छोर अवशोषक सतह की ओर आए। अवशोषण हमेशा दाग की उलटी तरफ किया जाना चाहिए।

- एक नरम कपड़ा लें, इसे दाग-निकालने वाले पदार्थ (Remover) में डुबोएँ और सुगमता से उस दाग को बाहरी छोर से शुरु करते हुए भीतरी छोर की ओर केन्द्र तक लाएँ।
- हल्के व घुमावदार रूप से साफ करें जिससे कि दाग कपड़े पर न फैले।

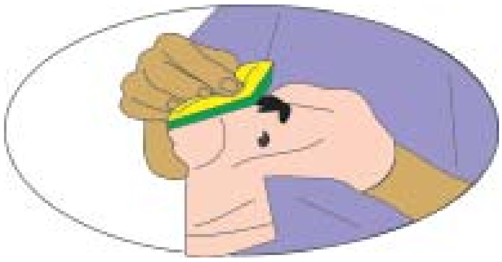

चित्र. 9.6 **स्पांजिंग/सोखना**

- जैसे ही अवशोषक कागज या कपड़े (जिसे सामान्यतः ब्लॉटर कहते हैं) या अवशोषक में दाग के निशान दिखने लगें उसे बदल दें।

डुबो कर रखना (Dipping)

डिपिंग की पद्धति में सम्पूर्ण वस्त्र को दाग निकालने वाले पदार्थ में डुबा कर रखा जाता है। यह पद्धति उस स्थिति के लिए महत्वपूर्ण है जहां कपड़े में अनेक दाग हैं या दाग काफी बड़ा है। हम दाग के प्रकार के आधार पर दाग निकालने वाले पदार्थ का चयन कर सकते हैं।

चित्र. 9.7 डुबोना

दाग निकालने के लिए प्रयोग होने वाले कुछ पदार्थों में शामिल हैं बोरेक्स पाउडर, एमोनिया, हाईड्रोजन पेरोक्साईड, ऑक्सेलिक अम्ल और तत्काल प्रयोग किए जाने वाले ब्लीच।

दागों के प्रकार तथा इन्हें हटाने की पद्धति		
1. वनस्पति दाग	चाय, कॉफी, फल आदि	
साफ करने की विधि	दागों को हटाने के लिए बोरेक्स पाउडर जैसे एल्केलाइन अभिकर्मक का प्रयोग करें क्योंकि ये प्रकृति में अम्लीय होते हैं।	
दाग	**सफेद सूती कपड़े**	**रंगीन सूती कपड़े**
दाग चाय/कॉफी, चॉकलेट, फल	दाग के ऊपर गर्म पानी डालें।	पानी व बोरेक्स (2 कप पानी + ½ छोटा चम्मच बोरेक्स) के मिश्रण में डुबा कर रखें।

	पुराने दाग कपड़े के दाग वाले भाग को ग्लीसरीन में डुबाएँ या दाग के ऊपर बोरेक्स पाऊडर को छिड़कें और दाग वाले भाग को मग या पैन के ऊपर रखकर उसके ऊपर गर्म पानी डालें।	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ।
हिना (मेहंदी)	***नए दाग*** आधे घंटे के लिए गुनगुने दूध में डुबाकर रखें। ***पुराना दाग*** ऊपर लिखित प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएँ।	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ। सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ।

2. पशुओं के दाग	रक्त, दूध, अंडा आदि	
साफ करने की विधि	ताप से बचाना चाहिए क्योंकि इन दागों में प्रोटीन होता है और ताप उपचार के कारण ये कपड़े पर स्थिर हो जाते हैं।	
दाग	**सफेद सूती कपड़े**	**रंगीन सूती कपड़े**
रक्त, अंडा, माँस	***नए दाग*** ठंडे पानी तथा साबुन से साफ करें	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ।

टिप्पणी

	पुराने दाग नमक के पानी (2 छोटे चम्मच नमक+एक बाल्टी पानी), या हल्के एमोनिया में डुबोएँ।	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ।

3. चिकने दाग	मक्खन, घी, तेल, तरी, जूते की पॉलिश, तार कोल, ऑयल पेंट आदि	
दाग हटाने की विधि	चिकने पदार्थ को हटाने के लिए चिकनाई अवशोषक तथा वलायकों जैसे चॉक, टेलकम पाउडर का प्रयोग करें तथा तत्पश्चात रंग को हटा दें।	
.दाग	**सफेद सूती कपड़ा**	**रंगीन सूती कपड़ा**
मक्खन, घी, तेल, तरी,	***नए दाग*** गर्म पानी तथा साबुन से धोएँ। धूप में घास या झाड़ी/पौधे के ऊपर रखकर इसे सुखाएँ	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ किन्तु इसे छाया में सुखाएँ।
	पुराने दाग साबुन व पानी का लेप बना लें और इसे दाग के उपर लगाएँ। इसे धूप में तब तक नम रखें जब तक दाग निकल न जाए।	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ किन्तु इसे छाया में सुखाएँ।
पेंट, जूते की पॉलिश, नेलपॉलिश, लिपिस्टिक, बॉल पैन	***नए दाग*** दाग के अतिरिक्त भाग को खुरच कर निकाल लें (क) मिथाईल युक्त स्पिरिट या मिट्‌टी के तेल से दाग को स्पांज की सहायता से सुगमता से साफ करें (ख) टर्पेनटाईन से सुखाएँ।	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ।
	पुराने दाग ऊपर बताई गई प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएँ	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ

टिप्पणी

4. खनिज दाग	जंग तथा अन्य दवाएँ	
दाग हटाने की विधि	इन दागों के धातुई घटक होते हैं और इसलिए इनका उपचार हल्के अम्लीय अभिकर्मक द्वारा किया जाता है और निराकरण हेतु एल्केलाईन घोल में डाला जाता है।	
दाग	**सफेद सूती कपड़ा**	**रंगीन सूती कपड़ा**
लोहे की जंग	***नए दाग*** नींबू का रस तथा नमक के मिश्रण को रगड़ें	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ।
	पुराने दाग इसमें हल्के ऑक्सेलिक अम्ल का प्रयोग करें और हल्के बोरेक्स घोल से निष्क्रिय करें।	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ।

5. विविध दाग	रंजक, स्याही, फफूँद, घास, पसीना आदि।	
दाग हटाने की विधि	प्रत्येक दाग के लिए विशिष्ट उपचार का प्रयोग करें।	
दाग	**सफेद सूती कपड़ा**	**रंगीन सूती कपड़ा**
घास	***नए दाग*** साबुन व पानी से धोएँ	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ।
	पुराने दाग दाग वाले भाग को मिथाइल युक्त स्पिरिट से साफ करें ।	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ।
पान	***नए दाग*** प्याज का लेप बनाकर दाग पर लगाएँ और इसे धूप में रख दें।	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ किन्तु इसे छाया में सुखाएँ।

	पुराने दाग ऊपर बताई गई प्रक्रिया को दो से तीन बार दोहराएँ	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ ।
स्याही	***नए दाग*** साबुन व ठंडे पानी से साफ करें।	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ ।
	पुराने दाग (क) इसे खट्टी छाछ में आधे घंटे के लिए डुबा कर रखें। (ख) नींबू का रस व नमक लगाकर इसे धूप में रख दें। (ग) दाग को विरंजित (ब्लीच) करें	सफेद सूती कपड़े के लिए प्रयोग होने वाली प्रक्रिया को अपनाएँ किन्तु इसे धूप में न रखें बल्कि छाया में सुखाएँ।

9.3.3 दागों को साफ करते समय रखी जाने वाली सावधानियाँ (Precautions)

- जहाँ तक संभव हो दागों को उसी समय साफ कर लेना चाहिए जब वे ताजा हों।
- नाजुक तथा/या रंगीन कपड़ों के मामले में सर्वप्रथम उस कपड़े के भीतरी ओर पर एक छोटे से हिस्से पर या कपड़े के उस भाग पर जो नजर नहीं आता है, रसायन लगाकर देखना चाहिए। यदि ऐसा करने पर उस कपड़े या उसके रंग को कोई हानि होती है तो दाग निकालने के लिए उस रसायन का प्रयोग न करें।
- हल्के व मृदु अनुकर्मकों का प्रयोग करें क्योंकि ये कम हानिकारक होते हैं, चाहे फिर दाग निकलने में कुछ अधिक समय लगे।
- दाग निकालने के पश्चात कपड़े को कई बार पानी से साफ करें क्योंकि अभिकर्मक सूखने के पश्चात कपड़े को हानि पहुंचा सकता है।

गतिविधि 9.3

शाइना ने एक साक्षात्कार के लिए एक बहुत ही सुन्दर रेशमी सफेद सूट पहना। पूरे समय वह अपने सूट का ध्यान रख रही थी कि कहीं वह गंदा न हो जाए। साक्षात्कार के पश्चात वह घर

वापस आई और उसने अपने कपड़े बदले। अपने सूट की तह लगाते समय उसने देखा कि उसके सूट में तरी का दाग लगा हुआ है। वह बहुत थक चुकी थी इसलिए उसने उस समय उस दाग का कुछ नहीं किया। अगली सुबह उसने दाग के ऊपर टैल्कम पाउडर डाला और उसे कुछ समय के लिए वैसे ही छोड़ दिया। तत्पश्चात, उसने सूट को गर्म गाढ़े डिटर्जेंट के घोल में एक घंटे के लिए रखा। उसने अपने सूट को सूखने के लिए तार पर डाल दिया। लेकिन सूखने के बाद भी दाग बना रहा लेकिन कुछ हल्का हो गया। उसके बाद उसने दाग वाले हिस्से पर हाईड्रोजन पैरोक्साईड लगाया। इससे दाग गायब हो गया। इसके बाद उसने सूट को पानी में कई बार धोया ताकि रसायन के कण निकल जाएँ और उसे छांव में सुखाया।

दाग को निकालने के लिए शायना द्वारा अपनाई गई प्रक्रिया के सभी चरणों की एक सूची बनाएँ और बताएँ कि क्या यह प्रक्रिया सही है या गलत। अपने उत्तर के तर्क में कारण भी बताएँ।

क्र.सं.	चरण	सही	गलत	कारण
1				
2				
3				

पाठगत प्रश्न 9.3

1. निम्नलिखित प्रत्येक दाग को निकालने के लिए दिए गए विकल्पों में से सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प पर (√) का निशान लगाएँ:

   (i) सफेद सूती कपड़े पर चाय का पुराना दाग:

   क. नमक के पानी का प्रयोग करें।

   ख. ग्लीसरीन में डुबा कर रखें।

   ग. नींबू के रस में डुबाएँ।

   घ. दाग पर बोरेक्स लगाकर उस पर उबलता हुआ पानी डालें।

   (ii) रंगीन सूती कपड़े पर रक्त का पुराना दाग:

   क. नमक के पानी का प्रयोग करें।

   ख. ग्लीसरीन में डुबा कर रखें।

   ग. गर्म पानी का प्रयोग करें।

   घ साबुन व गर्म पानी से धोएँ।

(iii) लिप्सटिक के दाग:

क. नमक के पानी का प्रयोग करें।

ख. अमोनिया में डुबाएँ।

ग. मिथाईलयुक्त स्प्रिट से सोखें।

घ. गर्म पानी तथा साबुन से साफ करें।

(iv) जंग के दाग:

क. नमक पानी का प्रयोग करें।

ख. नींबू के रस व नमक का प्रयोग करें।

ग. मिथाईलयुक्त स्प्रिट में डुबाएँ।

घ. साबुन तथा ठंडे पानी से साफ करें।

(v) पॉलियेस्टर के कपड़े पर नेल पालिश के दाग:

क. मिथाईलयुक्त स्प्रिट से सोखें।

ख. बोरेक्स युक्त गुनगुने पानी में डालें।

ग. दाग पर नींबू का रस तथा नमक को रगड़ें।

घ. गुनगुने पानी तथा साबुन के घोल में डुबाएँ।

दाग को निकालने के पश्चात अगला कदम है लांडरिंग। यहाँ हम सामान्य लांडरिंग की चर्चा करेंगे जबकि विभिन्न प्रकार के कपड़ों की विशिष्ट धुलाई की चर्चा हम पाठ में आगे करेंगे।

9.4 धुलाई

कपड़ों की लांडरी/धुलाई में निम्नलिखित चरण शामिल हैं:

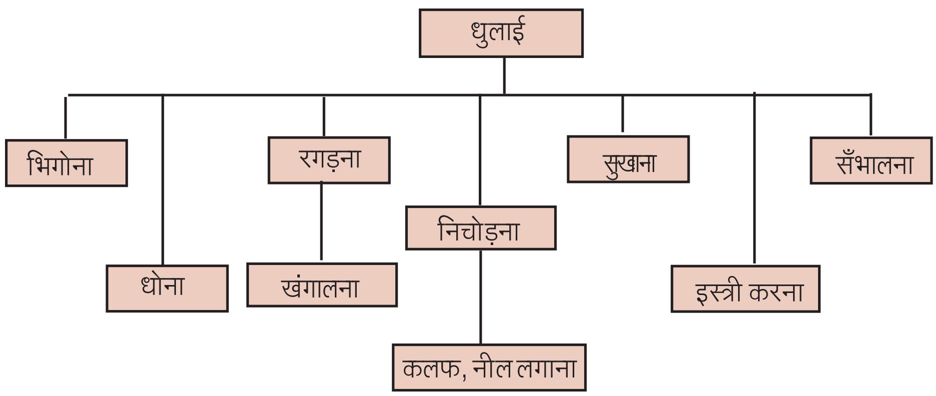

चित्र. 9.8 धुलाई की प्रक्रिया

9.4.1 भिगोना (Soaking)

कपड़े को पानी में भिगोने से उसमें लगे गैर-चिकने मैल के कण पानी में कपड़े के ऊपर नीचे करने से निकल जाते हैं। गीले होने पर कमजोर पड़ने वाले कपड़ों को लंबे समय तक भिगो कर नहीं रखना चाहिए। एक बाल्टी में अधिक कपड़ों को भिगोना नहीं चाहिए। कपड़ों से मैल के कणों को अलग निकालने के लिए कुछ स्थान अवश्य देना चाहिए। कपड़ों को आधे घंटे से अधिक समय के लिए पानी में भिगोकर नहीं रखना चाहिए अन्यथा कपड़ों से निकला हुआ मैल पुनः कपड़े में चिपक जाता है।

चित्र. 9.9 भिगोना

9.4.2 धोना (Washing)

जैसे कि ऊपर बताया गया है कि भिगोए गए कपड़ों को शीघ्र ही धोना चाहिए।

धुलाई की प्रकिया में कपड़े को भिगोने के दौरान हल्के हुए मैल को निकालना भी शामिल है। ऐसा करने के कई तरीके होते हैं। अब आप यहाँ इन तरीकों तथा विभिन्न प्रकार के कपड़ों के लिए उनकी उपयुक्तता का अध्ययन करेंगे।

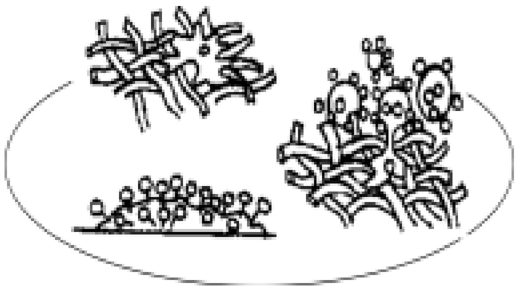

चित्र. 9.10 डिटर्जेंट द्वारा मैल को निकालना

धुलाई की पद्धतियाँ

i. **घर्षण(रगड़) पद्धति:** मजबूत कपड़ों जैसे सूती तथा लिनेन कपड़ों के लिए यह पद्धति उपयुक्त है। घर्षण या रगड़ना निम्नलिखित तीन तरीकों से किया जा सकता है:

- **हाथों से रगड़ना:** कपड़े धोने की यह सबसे सामान्य पद्धति है। कपड़े के मैल लगे भाग को अपने हाथों मजबूती के साथ तब तक रगड़ें जब तक कि मैल निकल न जाए। यह पद्धति कपड़े के अत्यधिक मैले तथा बहुत छोटे भाग को साफ करने के लिए उपयुक्त है जैसे कमीज के कफ, कॉलर तथा नीचे पहने जाने वाले कपड़ों का निचला भाग, रुमाल तथा लेस आदि।
- **ब्रश रगड़ना:** रसोई में सफाई के लिए प्रयोग होने वाले डॅस्टरों से मैल, चिकनाई तथा दाग निकालने के लिए ब्रश का प्रयोग किया जाता है क्योंकि इसमें लगा मैल और दाग बहुत गाढ़े होते हैं। याद रखें कि कपड़े पर ब्रश रगड़ने से पूर्व उसे

चित्र. 9.11 रगड़ना

सपाट व कठोर सतह पर रखें। कड़ाई से ब्रश रगड़ने पर मैल तो निकल जाता है किन्तु कपड़ा जल्दी फट जाता है। आपने देखा होगा कि जब आप कमीजों के कॉलरों को साफ करने के लिए ब्रश का प्रयोग करते हैं तो कॉलर जल्दी फटने लगते हैं। इसलिए ब्रश को रगड़ने की प्रक्रिया कपड़े की प्रकृति के आधार पर की जानी चाहिए।

- **थापी से कूटना(Beating stick):** बड़े कपड़ों जैसे चादर, तौलिया आदि को धोने के लिए लकड़ी की थापी का प्रयोग किया जाता है जिससे कपड़ों को पीट कर उन्हें रगड़ा जाता है। याद रखें कि इस प्रक्रिया को केवल साफ, सपाट तथा कठोर सतह पर ही किया जाना चाहिए। कपड़े को फर्श पर फैला लें, उस पर साबुन लगाएँ तथा इसे थापी से पीटें और दूसरे हाथ से कपड़े की सतह को निरंतर बदलते रहें।

ii. मसलना(kneading) तथा निचोड़ना (squeezing) : इस पद्धति का प्रयोग नाजुक कपड़ो जैसे रेशमी, ऊनी तथा रेयन कपड़ों के लिए किया जाता है। इससे कपड़े को कोई क्षति नहीं होती है या उसके रंग में कोई परिवर्तन नहीं होता है क्योंकि इस पद्धति में जब कपड़े साबुन के घोल में होते हैं तो हाथों से बार-बार कपड़े पर सुगमता से दबाव डाला जाता है। इस प्रक्रिया में कपड़े को साबुन के घोल में डुबाएँ, उसे बाहर निकालें और उसे कोमलता से निचोड़ें तथा दोबारा साबुन के घोल में डालें । साथ ही साथ मैले वाले भागों को अपने दोनों हाथों के बीच से कोमलता से रगड़ते रहें। इस प्रक्रिया को तब तक दोहराते रहें जब तक कपड़ा साफ न हो जाए।

चित्र. 9.12 दबाना और निचोड़ना

iii. मशीन से धुलाई:

"मशीन से धुलाई" एक श्रम रहित उपकरण है और यह कपड़ों की धुलाई के लिए अपेक्षित सभी घर्षण उपलब्ध कराती है।

मशीन से धुलाई का समय कपड़े के प्रकार तथा मैल की मात्रा के आधार पर निर्धारित किया जाता है। उदाहरण के लिए ऊनी कपड़ों की धुलाई में सूती कपड़ों की तुलना में कम समय लगता है। बाजार में स्वचालित, अर्ध-स्वचालित तथा गैर-स्वचालित मशीनें उपलब्ध हैं। स्वचालित वाशिंग मशीन का लाभ यह है कि इसमें एक स्पिनर होता है जो धुलाई के पश्चात कपड़ों को निचोड़ता भी है जिससे कपड़े लगभग सूख से जाते हैं। यह विशेष रूप से बड़े व भारी कपड़ों जैसे चादर, परदे आदि की धुलाई के लिए लाभदायक है। मशीन का प्रयोग आरम्भ करने से पूर्व प्रयोग संबंधी अनुदेशों को सावधानीपूर्वक पढ़ लें। धुलाई के लिए कपड़ों को मशीन

चित्र. 9.13 वॉशिंग मशीन

में डालते समय ध्यान रखना चाहिए क्योंकि कुछ कपड़ों के रंग निकल जाते हैं और वे मशीन में पड़े अन्य कपड़ों को खराब कर देते हैं।

9.4.3 खंगालना (Rinsing)

धोए गए कपड़ों को कम से कम तीन बार या तब तक खंगालना चाहिए जब तक उनमें से साफ पानी न निकलने लगे। हमें ऐसा करने की आवश्यकता क्यों है? यदि कपड़ों को खंगाला न गया तो कपड़े में रहने वाला शेष बचा डिटर्जेंट कपड़े को नुकसान पहुंचा सकता है।

चित्र. 9.14 खंगालना

9.4.4 परिसज्जा(Finishing)

एजेंट- आपके कुछ कपड़ों को सुखाने के लिए डालने से पूर्व परिसज्जा एजेंट के प्रयोग की आवश्यकता होती है। परिसज्जा एजेंट का प्रयोग कपड़े में अधिक चमक लाने तथा/या उसे कड़क बनाने और उसे चमकदार व नया रूप प्रदान करने के लिए किया जाता है। आप जानते ही हैं कि मांड और/या नील आपके सफेद कपड़ों को क्या रूप प्रदान करते हैं। यह दोनों ही तत्व सूती कपड़ों के परिसज्जा एजेंट हैं। रेशमी कपड़ों के लिए भिन्न प्रकार के स्टार्च का प्रयोग किया जाता है। इस स्टार्च को ``गम अरेबिक`` कहते हैं। इसी प्रकार सफेद वस्त्रों में चमक लाने के लिए नील तथा चमकदार एजेंट का प्रयोग किया जाता है। आप इनके विषय में वस्त्र परिसज्जा पाठ में अध्ययन करेंगे।

9.4.5 सुखाना

कपड़ों को मुख्य रूप से बाहर खुली हवा तथा धूप में सुखाना चाहिए। कपड़ों को सुखाने के लिए तार तथा कपड़ों को पकड़े रहने के लिए चिमटियों का प्रयोग किया जाना चाहिए या फिर साफ दागमुक्त धातु के रैक का प्रयोग किया जा सकता है। कपड़ों को रैक में टांग दें या फैला दें और कपड़ों के प्रकार के आधार पर उन्हें धूप में या छांव में सुखा लें। याद रखें कि कपड़े यदि रंगीन हैं तो उन्हें उल्टा करके सुखाने के लिए डालें। यदि आप कपड़े सुखाने के लिए तार का प्रयोग कर रहे हैं तो यह सुनिश्चित कर लें कि आप कपड़ों को इस प्रकार फैलाएँ कि उनमें से हवा निकल सके। इससे न केवल कपड़े जल्दी सूखते हैं बल्कि यह तरीका पर्यावरण सहिष्णु भी है। सूर्य का प्रकाश कुछ कीटाणुओं को भी नष्ट कर देता है। इस लिए यह सुझाव दिया जाता है कि अधोवस्त्रों तथा सेनिटरी नैपकिनों की तरह प्रयुक्त होने वाले कपड़ों को धूप में ही सुखाना चाहिए।

चित्र. 9.15 सुखाना

9.4.6 इस्त्री करना या स्टीम प्रैसिंग तथा तह करना

कपड़ों को सुंदर रूप प्रदान करने के लिए इस प्रक्रिया का प्रयोग किया जाता है। इस कार्य को करने के लिए विद्युत या कोयले की इस्त्री का प्रयोग किया जाता है। बाजार में विभिन्न प्रकार की विद्युत इस्त्रियाँ उपलब्ध हैं । ये इस्त्रियाँ धातु ताप सतह, टैफलॉन (नॉन स्टिक कोटिड सतह या स्टीम इस्त्री) में उपलब्ध हैं। आप इनमें से किसी भी इस्त्री को खरीद सकते हैं और उनके प्रयोग के लिए उनके डिब्बों में दर्शाए गए अनुदेशों की सहायता ले सकते हैं।

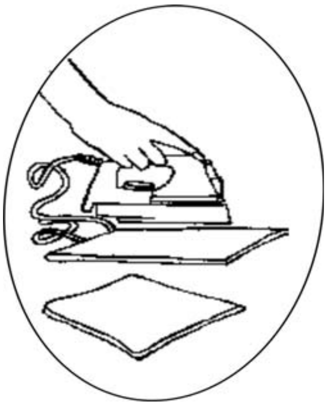

चित्र. 9. 16 इस्त्री करना

9.4.7 संभाल कर रखना (Storing)

याद रखें कि कपड़ों को अलमारी या बॉक्स में केवल तभी रखा जाता है जब वे पूरी तरह से सूख जाते हैं। चूँकि आपको इस्त्री के कारण कपड़ों में आई नमी को दूर करना होता है इस लिए कपड़ों को पूरी तरह से शुष्क होने तक खुली हवा में रखें। इसके बाद इन्हें अन्तिम रूप से संभालने के लिए अलमारी या बक्से में रखा जाता है।

नमीयुक्त कपड़ों को संभाल कर नहीं रखना चाहिए क्योंकि इससे कपड़ों में फफूंद या विषाणु विकसित हो जाते हैं।

गतिविधि 9.4

सर्दियों की एक शाम को वेंकट ने खादी का एक बहुत सुंदर कुर्ता पहना और एक पार्टी में चला गया। उसने पार्टी का पूरा आनन्द लिया। पार्टी से वापस आते समय बारिश शुरु हो गई और उसका कुर्ता भीग गया। चूँकि वह उसका पसंदीदा कुर्ता था, इसलिए उसने तुरन्त उसे उतार दिया, उसकी तह की और उसे अलमारी में रख दिया। कुछ दिनों के बाद जब उसने वह कुर्ता बाहर निकाला तो उसे यह देखकर आश्चर्य हुआ कि कुर्ते में दाग लगे हुए थे और उसमें सफेद पाउडरनुमा पदार्थ लगा हुआ था। इसके अतिरिक्त, उसमें से दुर्गंध आ रही थी। वेंकट बहुत दुखी हुआ क्योंकि उसे लगा कि उसका सबसे पसंदीदा कुर्ता पूरी तरह से खराब हो चुका है।

व्यक्तिगत संपर्क कार्यक्रम के दौरान अपने मित्रों तथा अन्य प्रशिक्षार्थियों से इस समस्या पर चर्चा करें और निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दें:

1. आपको क्या लगता है कि वेंकट के कुर्ते के साथ क्या गलती हुई?
2. यदि आप इस स्थिति में होते तो आपने अपने खादी के कुर्ते को बचाने के लिए क्या किया होता?

9.5 विशेष प्रकार के कपड़ों की धुलाई

आपने कपड़ों की धुलाई के संबंध में आधारभूत ज्ञान प्राप्त कर लिया है। क्या यह ज्ञान आपके घर में प्रयोग होने वाले सभी कपड़ों की धुलाई के लिए पर्याप्त है? आइए अब इस ज्ञान का प्रयोग करके घर में ही गंदे कपड़ों की धुलाई का प्रयास करें और देखें कि हम और क्या सीख सकते हैं?

अपने घर के सभी गंदे कपड़ों को एकत्र करें और देखें कि आपके पास क्या है। क्या आपको याद है कि इन कपड़ों को धोने तथा परिष्करण से पूर्व आपको क्या तैयारी करनी है? आइए देखें हम क्या कर सकते हैं? यहाँ गंदे-मैले कपड़ों का ढेर है। आपका पहला कदम क्या होगा? जी हां, सर्वप्रथम आपको कपड़ों को विभाजित करना होगा। कपड़ों का विभाजन करके आप इनके निम्नलिखित प्रकार से ढेर लगाएँगे: -

i) सूती कपड़े जिसमें सफेद अधोवस्त्र, पैजामा, सलवार,पेटीकोट, कमीज, रसोई का डस्टर, चादर, तकिए के गिलाफ और इसी प्रकार के कपड़े शामिल होंगे।

ii) रंगीन सूती कपड़े जैसे साड़ी,ब्लाऊज, सलवार सूट तथा दुपट्टा।

iii) कृत्रिम रेशे वाले कपड़े जैसे कमीज, साड़ी, ब्लाऊज, दुपट्टा तथा जुराब आदि।

iv) सिल्क की साड़ी, ब्लाऊज, कमीज आदि।

v) ऊनी स्वैटर, मॅफलर तथा शॉल।

अधिक मैले कपड़ों को कम मैले कपड़ों से अलग कीजिए। देखिए कि उनमें से किसी की मरम्मत आदि तो नहीं करनी है और देखें कि उनमें से किसी कपड़े से दाग तो नहीं निकालना है। यदि किसी कपड़े में उसके रखरखाव का लेबल लगा है तो उसे पढ़ लें क्योंकि उससे यह पता चल जाएगा कि उस कपड़े को धोते समय क्या करना है और क्या नहीं करना है। अब आप अगले चरण के लिए तैयार हैं। आइए अब एक-एक करके सभी कपड़ों की व्यवस्था करें।

सूती कपड़ों की धुलाई

i) भिगोना: आप अपने सूती वस्त्रों को कैसे और क्यों भिगोएँगे? केवल सफेद रंग के सूती कपड़ों को भिगोया जाएगा ताकि उनमें लगा या चिपका हुआ मैल नरम हो जाए। इन्हें मुख्य रूप से गुनगुने या गर्म पानी में आधे घंटे के लिए भिगोया जाएगा यह देखते हुए कि ये कितने मैले हैं। अत्यधिक गंदे कपड़ों को अलग से भिगोएँ। जी हाँ, इसके दो कारण हैं, एक तो इन्हें लंबे समय के लिए गर्म पानी तथा साबुन/डिटर्जेंट में भिगो कर रखना पड़ेगा। दूसरा, अधिक गंदे कपड़ों से निकला मैल कम गंदे कपड़ों में चिपक जाएगा और उन्हें और गंदा कर देगा। भिगोए गए कपड़ों को साफ करना काफी आसान हो जाता है। बहुत सारे कपड़ों को एक साथ नहीं रखना चाहिए। आप जानते हैं ऐसा क्यों?

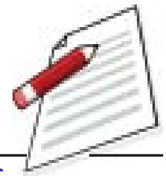

ii) **धोना:** सभी सफेद कपड़ों को साबुन/डिटर्जेंट के घोल में डुबोएँ। अधिक गंदे भाग पर अतिरिक्त साबुन लगा कर उसे रगड़ें। हल्के भार के तथा कम गंदे सूती कपड़ों को मसलने तथा निचोड़ने की प्रक्रिया से धोएँ तथा बड़े व भारी कपड़ों को थापी का प्रयोग करके साफ करें। कपड़े के अधिक गंदे भाग को हाथों व ब्रश से रगड़ें। क्या आपको याद है कि ऐसा क्यों करना चाहिए?

iii) **खंगालना:** कपड़ों को धोने के बाद खंगालना (rinse) की आवश्यकता क्यों होती है? आपने इसके बारे में पहले ही इस पाठ में पढ़ा है। यदि आपको याद नहीं है तो पाठ में पीछे जाकर उसे पुनः पढ़ें।

सूती कपड़ों को अंतिम अवस्था में श्वेतन कारक की आवश्यकता होती है। क्यों? श्वेतन एजेंट के रूप में आप किस पदार्थ का प्रयोग कर सकते हैं? जी हाँ, आप सही हैं। आप नील का प्रयोग करते हैं जो पाउडर तथा तरल रूप में उपलब्ध होता है। आजकल बाजार में ऑपटिकल ब्राईटनर जैसे रसायन उपलब्ध हैं। ये रंगहीन फ्लोरोसेंट रंजक होते हैं जो पीले पड़े कपड़ों को सफेदी प्रदान करते हैं तथा अस्थायी रूप से कपड़े में चमक उत्पन्न कर देते हैं।

iv) **माँड लगाना(Starching):** सफेद कपड़ों पर माँड लगाना एक अन्य प्रक्रिया है जिसे कपड़ों को सुखाने के लिए डालने से पूर्व किया जाता है। इसका प्रयोग सूती कपड़े को चिकना तथा चमकदार कर नया रूप प्रदान करने के लिए किया जाता है। इसके अतिरिक्त माँड लगे कपड़े जल्दी गंदे नहीं होते हैं।

> 4-5 कपड़ों को माँड लगाने के लिए 5 लीटर पाने में
> 2 छोटे चम्मच मांड पाउडर पर्याप्त है।

आप अरारोट का प्रयोग करके अपना स्वयं का माँड तैयार कर सकते हैं।

- गाढ़ा लेप तैयार करने के लिए अरारोट को थोड़े से ठंडे पानी में मिलाएँ। इस लेप में उबलता हुआ पानी मिलाएँ और साथ ही साथ इसे तब तक मिलाते रहें जबतक इसका रंग बदल कर पारदर्शी न हो जाए। आपका माँड तैयार है।
- आपके द्वारा तैयार इस माँड लेप में पानी मिला कर इसे अच्छी तरह से मिश्रित करें। माँड का गाढ़ापन कपड़े की मोटाई तथा अपेक्षित कड़कपन पर निर्भर करता है। कपड़े को अत्यधिक कड़ा बनाने के लिए पूर्ण क्षमता वाले माँड में 2-3 गुना पानी मिलाएँ। किन्तु ठीक-ठीक कड़कपन प्राप्त करने के लिए 4-6 गुना पानी मिलाएँ।
- यदि आप एक वस्त्र को माँड लगा रहे हैं तो उसे उल्टा करें, हाथों में पकड़ कर खोल लें और पानी में डबो लें ताकि उसमें माँड समान रूप से लग जाए। अतिरिक्त पानी को निचोड़ लें और इसे माँड के घोल में डुबोएँ।
- कपड़े को अच्छी तरह से निचोड़ लें और सूखने के लिए धूप में टाँग दें।

नोट:

i) कपड़े की कड़कपन की मात्रा व्यक्तिगत पसंद पर निर्भर करती है। सामान्यतः हम टेबल के कपड़ों जैसे मेजपोश, ट्रे के कपड़े, नैपकीन को भारी माँड लगाते हैं जबकि भीतर पहने जाने वाले कपड़ों पर हल्की माँड लगाते हैं।

ii) अधोवस्त्र तथा चुस्त फिटिंग वाले वस्त्रों जैसे ब्लाउज आदि में माँड नहीं लगानी चाहिए क्योंकि माँड त्वचा को काट सकता है और पहनने में भी आरामदायक नहीं होते हैं।

iii) यदि कुछ कपड़ों में माँड तथा नील दोनों लगानी हो तो दोनों को एक ही घोल में एकसाथ प्रयोग किया जा सकता है। इसके लिए पानी में पतले मांड के साथ नील को एकसाथ मिला लें।

याद रखें: यदि वस्त्र अधिक नीला हो गया हो तो साफ पानी में सफेद सिरके या नींबू का रस मिलाकर उस वस्त्र को उसमें डुबोएँ।

अतिरिक्त नीला रंग निकल जाएगा।

iv) सुखाना : खंगालने, माँड लगाने तथा नील लगाने के पश्चात कपड़ों को सुखाने के लिए डाला जाता है। कपड़ों को तार पर उनके सबसे मजबूत भाग की ओर से टाँगा जाता है। धूप में सुखाए जाने वाले कपड़ों को सूखते ही निकाल लेना चाहिए। धूप में अधिक समय तक रखने के कारण कपड़ा कमजोर हो जाता है तथा उसमें पीलापन आने लगता है।

v) इस्त्री करना: सूती कपड़े उस समय सबसे अच्छी तरह से इस्त्री होते हैं जब उनमें थोड़ी नमी रहती है। किन्तु यदि उनमें माँड लगाई गई है तो उन्हें इस्त्री करने से पहले पूरी तरह सुखा लेना चाहिए। उस पर समान रूप से पानी का छिड़काव करें, उन्हें कस कर लपेटें और कुछ समय के लिए ऐसे ही रहने दें। अब उन्हें एक-एक करके खोलें और गर्म इस्त्री से उन पर इस्त्री करें। उन्हें संभाल कर रखने से पूर्व कुछ समय खुले में ही रहने दें।

vi) संभाल कर रखना: ध्यान रहे कि सूती कपड़ों में फफूँद जल्दी ही लग जाती है। इसलिए, इन्हें संभालकर रखने से पूर्व सुनिश्चित कर लें कि ये पूरी तरह से सूखे हुए हों।

रंगीन कपड़ों की धुलाई

- यदि किसी सूती कपड़े का रंग निकलता हो तो उसे भिगो कर न रखें।
- उन्हें धोने के लिए हल्के या न्यूट्रल साबुन का प्रयोग करें।
- इनको धोने के लिए मसलने व निचोड़ने की पद्धति का प्रयोग करें।
- कपड़े को अच्छी तरह से निचोड़ें तथा अंतिम बारी में कपड़े को उल्टा करके उस पर माँड लगाएँ।
- इसे छाया में सुखाएँ।

- जब कपड़े में कुछ नमी रह जाए तभी इसे इस्त्री करें।
- इस्त्री करने के पश्चात जब वे पूरी तरह से सूख जाएँ तभी उन्हें संभाल कर रखें।

पाठगत प्रश्न 9.4

प्रकोष्ठ में दिए गए शब्दों में से सबसे उपयुक्त शब्द का प्रयोग करके रिक्त स्थान को भरें:

i. कपड़ों को कुछ समय के लिए भिगो कर रखने से मैल को__________ करने में सहायता मिलती है।(हल्का, चिपकाने, स्थिर)

ii. सूती कपड़ों को _________रूप प्रदान करने के लिए माँड लगाई जाती है।(गंदा, कड़क, साफ)

iii. ___________ पर माँड का प्रयोग नहीं करना चाहिए।(मेजपोश, साड़ियों, अधोवस्त्रों)

iv. रंगीन सूती कपड़ों को ___________ में सुखाना चाहिए।(धूप, छाँव, दिन की रोशनी)

v. कपड़ों को लंबे समय तक धूप में रखने से वे__________हो जाते हैं।(चमकदार, कमजोर, फीके)

vi. अत्यधिक गंदे सफेद कपड़ों को __________में धोना चाहिए।(गर्म पानी, उबलते हुए पानी, गुनगुने पानी)

vii. जब नमी- युक्त सूती कपड़ों को संभालकर रखा जाता है तो उनमें ___________विकसित हो जाती है।(फीकापन, चमक,फफूँद)

viii. जिन कपड़ों को अच्छी तरह से खंगाला नहीं जाता है वे_________ हो जाते हैं।(कमजोर, पीले, चमकदार)

ix. धोने से पहले कपड़ों की__________ की जानी चाहिए।(नील, मरम्मत, इस्त्री)

x. ____________कपड़ों को धोने से पहले भिगोना नहीं चाहिए।(रंगीन, सफेद, गंदे)

कृत्रिम (Synthetics) कपड़ों की धुलाई

नाइलॉन, पॉलिएस्टर तथा एक्रेलिक कृत्रिम कपड़े हैं। इसलिए कृत्रिम कपड़ों की धुलाई कुछ भिन्न प्रकार से की जाती है।

- इनके लिए गुनगुने या ठंडे पानी का प्रयोग करें। गर्म पानी का प्रयोग नहीं करना चाहिए क्योंकि इससे कपड़े में बहुत बुरी तरह से सिलवटें पड़ जाती हैं। क्या आपको याद है कि ऐसा क्यों होता है? जी हाँ, ये बहुत नर्म होते हैं और आसानी से चिपक जाते हैं।

- इनकी धुलाई के समय कोई अच्छा साबुन प्रयोग करें और हल्के हाथों से दबाव डालें व रगड़ें।
- साबुन को पूरी तरह से निकालने के लिए ठंडे पानी में अच्छी तरह से धोलें।
- सिलवटों से बचने के लिए इन्हें कसकर न निचोड़ें।
- इन्हें मुख्य रूप से हैंगर में ही सुखाएँ। इससे कपड़ों के मूल आकार को बनाए रखने में मदद मिलती है।
- सूखने के पश्चात यदि आवश्यकता हो तो कपड़ों पर कम गर्म इस्त्री की जा सकती है(इस पाठ में बाद में दिए गए इस्त्री चार्ट का संदर्भ लें)। क्या आपको याद है कि ऐसा क्यों करना चाहिए?
- पूरी तरह सूखने के पश्चात इन्हें संभाल कर रख लें।

याद रखें: धोते समय टैरीकॉट को कृत्रिम वस्त्र माना जा सकता है

रेशमी कपड़ों की धुलाई

- गुनगुने या ठंडे पानी में एक अच्छे हल्के साबुन का प्रयोग करें तथा इन्हें धोते समय हल्का दबाव डालें व हल्के हाथों से रगड़ें। रेशमी कपड़ों को भिगोकर रखने की आवश्यकता नहीं है।
- साबुन को पूरी तरह से निकालने के लिए अच्छी तरही से खंगाल लें।
- इनमें माँड लगाएँ(गम अरेबिक) तथा छाँव में सूखने के लिए टांग दें।
- जब कपड़े हल्के सूख जाएँ और उनमें कुछ नमी रह जाए तो उन्हें निकाल लें और हल्की गर्म इस्त्री से प्रैस करें। क्या आपको याद है कि ऐसा क्यों करना चाहिए? जी हाँ, आप सही हैं, यदि सूखे हुए रेशमी कपड़ों में पानी का छिड़काव किया जाता है तो उन पर दाग पड़ जाते हैं।
- अब इन्हें पूरी तरह सूखने के पश्चात ही मुख्य रूप से हैंगर में लटका दें।

ऊनी कपड़ों की धुलाई

ऊनी कपड़े घर में प्रयोग होने वाले किसी भी अन्य कपड़े से अधिक नाजुक होते हैं। ऊनी कपड़ों की सतह पर रेशे होते हैं और इनकी सही ढंग से देखरेख न की जाए तो इनमें रूएँ निकल आते हैं। इसलिए ऊनी कपड़ों की धुलाई के समय विशेष सावधानी रखनी चाहिए।

बुनाई वाले ऊनी कपड़े गीले होने के पश्चात अपना आकार खो देते हैं, अतः इनके आकार को पुनः प्राप्त करने के लिए इन्हें सपाट सतह पर सुखाया जाता है। ऊनी कपड़ों की धुलाई के लिए निम्नलिखित चरणों का अनुसरण करना चाहिए:

- बुनाई वाले वस्त्र की धुलाई से पूर्व इसकी रूपरेखा को कागज पर उतार लें।
- गुनगुने पानी में हल्के एल्केलाईन साबुन/डिटर्जेंट को अच्छी तरह से घोल लें।
- इनकी धुलाई के लिए मसलने व निचोड़ने की पद्धति का अनुसरण करें।
- इन्हें अच्छी तरह से खंगाल लें।
- बुनाई वाले कपड़ों को वापस उनका आकर प्रदान करने के लिए इन्हें धुलाई से पूर्व कागज पर ली गई रूपरेखा पर रखकर सपाट सतह पर सुखाना चाहिए।
- यदि आवश्यकता हो तो इस पर स्टीम प्रैस करनी चाहिए।
- पूरी तरह से सूखने के पश्चात इन्हें एक शुष्क स्थान पर हैंगर में या सपाट सतह पर कपूर की गोलियों या ओडोनिल की गोलियों के साथ संभाल कर रखा जाना चाहिए।

9.6 इस्त्री करने के लिए सामान्य सुझाव

इस्त्री की मेज को तैयार करें। इस पर एक पुराना कंबल बिछा लें और उसके ऊपर एक सफेद सूती चादर बिछा लें। टेबल को इस प्रकार से व्यवस्थित करें कि इस्त्री करते समय आपको झुकना न पड़े या इस्त्री की तार पर खिंचाव न पड़े। सामान्यत 80 सें.मी. की ऊँचाई अत्यंत आरामदायक होती है।

- इस्त्री करते समय थोड़ा पानी अपने पास रखें।सूती तथा लिनेन के कपड़ों पर इस्त्री से पूर्व पानी का छिड़काव करने से अच्छे परिणाम प्राप्त होते हैं।
- बाजुओं, कॉलरों तथा लेस आदि को पहले इस्त्री करना चाहिए।
- कपड़े के लेस, बटन, हुक तथा इंब्राईडरी वाले भाग को भीतर की ओर से इस्त्री करनी चाहिए। इससे इंब्राइडरी उभरेगी और सुंदर लगेगी। इससे वह टूटेगी या पिघलेगी भी नहीं।
- कपड़े को उसकी लंबाई में इस्त्री करें क्योंकि इस दिशा में उसके रेशे मजबूत होते हैं।

महत्वपूर्ण: कपड़े पर यदि कोई लेबल लगा हो तो इस्त्री करने से पूर्व उसे पढ़ लें। अन्यथा नीचे दिए गए इस्त्री तापमान-तालिका का अनुसरण करें:

तापमान	कपड़ा	
हल्का गर्म	150^0 सेंटीग्रेट	ऊनी, रेशमी, पॉलियेस्टर तथा नाइलॉन
गर्म	180^0सेंटीग्रेट	सूती तथा रेयन
अति गर्म	200^0सेंटीग्रेट	सूती तथा लिनेन

पाठगत प्रश्न 9.5

1. सही विवरणों पर (√) का निशान लगाएँ। गलत विवरण में सुधार कीजिए।

i. रेशमी कपड़ों को धोने के लिए हल्के तरल साबुन का प्रयोग करें। सही/गलत

____

ii. ऊनी कपड़ों को धोने के लिए ठंडे पानी का प्रयोग करना चाहिए। सही/गलत

____

iii. ऊनी कपड़ों को पानी में भिगोकर रखा जाना चाहिए। सही/गलत

____

iv. ऊनी कपड़ों को किसी भी डिटर्जेंट घोल से धोया जाना चाहिए। सही/गलत

____

v. ऊनी कपड़ों को धोने के लिए उन्हें रगड़ा नहीं जाना चाहिए। सही/गलत

____

vi. कृत्रिम कपड़ों को सुखाने से पहले अच्छी तरह से निचोड़ लें। सही/गलत

____

vii. यदि आवश्यकता हो, कृत्रिम कपड़ों को हल्की गर्म इस्त्री से प्रैस करें। सही/गलत

____

1. सही विकल्प का चयन कीजिए:

	कॉलम क		कॉलम ख	उत्तर
1	गीले रेशमी व ऊनी कपड़े	क	कपड़े की क्षमता को कम करता है।	
2	गीले सूती कपड़े	ख	हल्का डिटर्जेंट	
3	रंगीन सूती कपड़े	ग	डिटर्जेंट पाउडर/टिकिया	
4	रेशमी	घ	उसकी क्षमता पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा	
5	गीला विस्कोस रेयॉन	ड.	क्षमता बढ़ेगी	
6	सफेद सूती	च	तरल डिटर्जेंट	
		छ	एल्केलाईन डिटर्जेंट	

आपने क्या सीखा

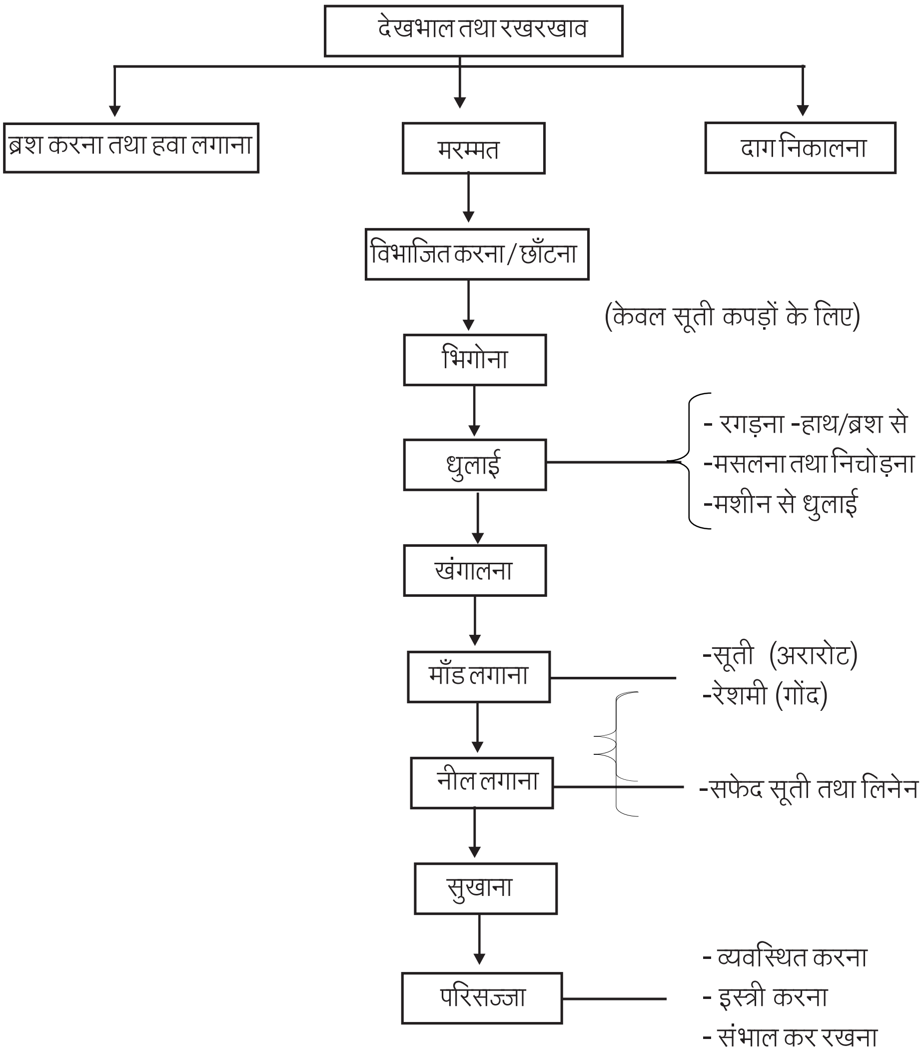

पाठगत प्रश्न

1. "धुलाई" शब्द का वर्णन कीजिए।
2. दाग क्या है? आप दागों को किस प्रकार वगीकृत करेंगे?
3. सूती कपड़े से निम्नलिखित दागों को निकालने की प्रक्रिया के चरण बताएँ:

   (i) घी (ii) नेल-पालिश (iii) लाल स्याही (iv) घास (v) पान
4. आप सफेत सूती कपड़े को किस प्रकार साफ करेंगे? कारणों सहित वर्णन कीजिए।

टिप्पणी

5. कृत्रिम कपड़ों की धुलाई सूती कपड़े की धुलाई से किस प्रकार भिन्न है?
6. शैली ने एक सफेद ऊनी कार्डिगन खरीदा। दो बार पहनने के पश्चात उसने इस कार्डिगन को अन्य कपड़ों के साथ वाशिंग मशीन में धोया। धुलाई के पश्चात कार्डिगन में होने वाले प्रभाव तथा उनके कारणों का वर्णन कीजिए।
7. रहमान अपने चमकदार छपाई वाले रेशमी स्कार्फ को घर पर ही धोना चाहता है। उसे इसकी सही प्रक्रिया बताएँ।

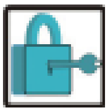

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

9.1 1. घर में धोएँ - सूती कमीज, सूती पैजामा
ड्राईक्लीन - रेशमी ब्लाऊज, ज़री की साड़ी, ऊनी शॉल
2. पाठ से संदर्भ लें।

9.2 1. (क) सही (ख) गलत, धुलाई में धुलाई या ड्राईक्लीनिंग, परिसज्जन तथा वर्गीकरण
(ग) सही (घ) सही

9.3 1. (i) घ (ii) क (iii) ग (iv) ख (v) घ

9.4 (i) हल्का (ii) चमकदार (iii) अधोवस्त्र (iv) रंग
(v) कमजोर (vi) गर्म पानी (vii) फफूंद (viii) पीला
(ix) ठीक करना (x) रंगीन

9.5 1. (i) सही (ii) गलत -ऊनी कपड़ों को धोने के लिए गुनगुने पानी का प्रयोग करें। (iii) सही (iv) गलत - ऊनी कपड़ों को हलके एल्केलाईन डिटर्जेंट के घोल से साफ किया जा सकता है। (iv) सही (vi) गलत - कृत्रिम कपड़ों को निचोड़ना और हैंगर में नहीं सुखाना चाहिए (vii) सही

2.

	कॉलम क		कॉलम ख	उत्तर
1	नम रेशमी या ऊनी कपड़ा	क	मजबूती कम होती है	2
2	नम सूती कपड़ा	ख	हलका डिटर्जेंट	5
3	रंगीन सूती कपड़ा	ग	डिटर्जेंट पाउडर/टिकिया	6
4	रेशमी कपड़ा	घ	मजबूती पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता	3
5	नम वेस्कोस रेयान	ङ.	मजबूती बढ़ती है	1
6	सफेद सूती कपड़ा	च	तरल डिटर्जेंट	4
		छ	एल्केलाईन डिटर्जेंट	